Paper - VI

MT

Seat No. | | | | | | | |

2018 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - VI

Time : 3 Hours **(Pages 10)** **Max. Marks : 80**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य **20 अंक**

प्र.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

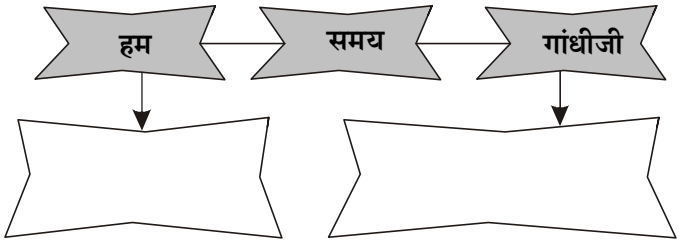

ii) **परिच्छेद में प्रयुक्त उंगलियों के नाम -** **1**

(1) ---------- (2) ----------

बापू ने अपने समय पर स्नान किया। हम समय के साथ खेल कर सकते थे, पर बापू तो समय के साथ दगाबाजी नहीं कर सकते थे। समय के साथ जो उन्होंने वायदा किया था, उसको उन्होंने पूरा किया। उनका हाथ जल गया था। शाम को हमने देखा उनके अँगूठों और तर्जनी पर किसी सफेद किस्म की दवा लगी थी। समय की पाबंदी तो बहुतों ने सिखलाई, पर यह सबक अपना हाथ जलाकर केवल बापू ने सिखाया और ऐसे सिखलाया कि जैसे अपना संदेश हृदय पर दाग दिया। मेरे और साथियों के ऊपर उसका क्या असर हुआ, मैं नहीं जानता पर मुझे उस दिन से प्रमाद नहीं व्यापा।

तब से मोहि न व्यापी माया ।

जब कभी ऐसा अवसर आया है कि किसी निश्चित समय पर कोई काम करना या पूरा करना है तो किसी बात या बहाने को बीच में लाकर उसे टालने या उसमें देरी करने को मेरा मन गवारा नहीं कर पाया। मुझे बापू का जला हाथ याद आता है और उनके शब्द मेरे कानों में गूँजने लगते हैं ।

''जो काम जिस वक्त करना है, करना, न करना वक्त के साथ दगाबाजी है ।''

2) i) **सत्य या असत्य पहचानकर लिखिए।** **1**

(1) लेखक के हृदय पर बापूजी के सबक का गहरा असर हुआ।

(2) हाथ जलने के कारण बापू समय पर काम नहीं कर पाए।

ii) **उपर्युक्त गद्यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो।** **1**

(1) दगाबाजी (2) बापू

3) i) **निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी परिच्छेद में से ढूँढ़कर लिखिए।** **1**

(1) संध्या (2) सीख

ii) **विलोम शब्द लिखिए।** **1**

(1) निश्चित (2) देरी

4) **'समय की नियमितता' विषय पर अपने विचार लिखिए ।** **2**

प्र.1. (ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) **उत्तर लिखिए।** **2**

i) ग्वाले के अनुसार इससे घर चलता है -

ii) इससे गृहस्थी नहीं चलती -

iii) ग्वाला बीस सेर दूध में इतना पानी डालता था -

iv) इसके घूसरेट फिक्स हैं -

वह हफ्ते में एक बार शहर के बाहर नाके पर खड़ा हो जाता था और देहात से दूध लाने वाले ग्वालों के दूध में डिग्री लगाता था। यदि दूध में पानी होता, तो वह सैंपल की बोतल भर लेता और ग्वाले से कहता, ''अब कचहरी में मिलना।''

ग्वाला कहता, ''छोड़ दो मालिक।''

वह कहता, ''तुम भ्रष्टाचार छोड़ दो ।''

ग्वाला कहता, ''हुजूर, भ्रष्टाचार से तो गृहस्थी चलती है । विशुद्ध दूध बेचूँगा तो शुद्ध गृहस्थी कैसे चलेगी।'' ग्वाला विचार करता ।

अब चपरासी कहता, ''अबे, समझा नहीं?'' दूध में पानी मिलाता है और अकल नहीं रखता? चल उधर कोने में।'' ग्वाला कोने में चला जाता। चपरासी पूछता, ''कितना दूध लाता है?''

''बीस सेर ।''

''पानी कितना मिलाता है?''

''आधा।''

''साले, भ्रष्टाचार के घूसरेट फिक्स हैं । अगर तू बीस सेर में दस सेर दूध लाता है तो पाँच रुपए हफ्ता देना पड़ेगा। ज्यादा जल डालेगा तो हफ्ते के रेट भी बढ़ जाएँगे ।''

''अगर मैं बिल्कुल न मिलाऊँ तो?''

चपरासी खीझ जाता। कहता, ''अबे, पानी तो मिलाया ही कर। वरना तू क्या खाएगा और हम क्या खाएँगे? हमारे साहब को भी दूध में पानी मिलाने में एतराज नहीं है। उन्हें एतराज है, हफ्ता न देने का। अब तू जा और दूसरे दूधवालों को भी समझा दे। मिल-जुलकर जो होता है, वह भ्रष्टाचार नहीं होता।''

ग्वाला टेंट से पाँच रुपए निकालता और चपरासी को दे देता। आगे जाकर वह नगरपालिका के नल से और पानी मिला देता, क्योंकि पाँच रुपए की चोट वह क्यों भोगे?

2) i) **समझकर लिखिए।** **1**

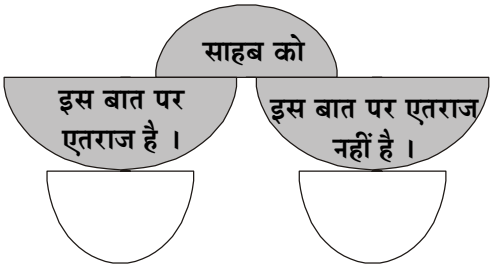

ii) **सही पर्याय चुनकर पूर्ण वाक्य फिर से लिखिए।** **1**

(1) **फूड इंस्पेक्टर तब सैंपल की बोतल भर लेता....**

(क) जब किसी ग्वाले के दूध में पानी होता।

(ख) जब ग्वाला उससे झगड़ा करने लगता।

(ग) जब ग्वाला उसके साथ बुरा बरताव करने लगता।

(2) **पानी तो मिलाया ही कर वरना ....**

(क) तू क्या खाएगा और हम क्या खाएँगे?

(ख) तू क्या खाएगा और अपने बच्चों को क्या खिलाएगा?

(ग) तू क्या खाएगा और अपनी पत्नी को क्या खिलाएगा?

3) i) **लिंग बदलिए।** **1**

(1) ग्वाला (2) मालिक

ii) **निम्नलिखित शब्दों के पर्यायी शब्द लिखिए।** **1**

(1) देहात (2) कचहरी

4) 'क्या दूध में पानी मिलाना अच्छी बात होती है?' अपने विचार लिखिए। **2**

प्र.1. (ग) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(4)**

1) समझकर लिखिए। **1**

स्वस्थ शरीर के लिए इनकी आवश्यकता है -

2) उत्तर लिखिए। **1**

ये हैं व्यायाम के लाभ ?

स्वस्थ शरीरवाला मनुष्य ही इस संसार के सभी प्रकार के सुखों को भोग सकता है तथा सुखमय जीवन बिता सकता है। स्वस्थ शरीर के लिए पौष्टिक भोजन तथा व्यायाम दोनों ही अतिआवश्यक हैं। व्यायाम करने का भी ढंग होता है। इसे करते समय सदा कुछ सावधानियाँ बरतनी चाहिए। पहली सावधानी यह है कि आयु, समय व शरीर की क्षमता के अनुसार ही व्यायाम करना चाहिए। दूसरी सावधानी यह है कि सही व्यायाम का चुनाव करना चाहिए तथा व्यायाम की उचित मात्रा निश्चित करनी चाहिए। तीसरी सावधानी यह है कि शुद्ध वायु, प्रकाशवाले खुले स्थान में व्यायाम करना चाहिए। व्यायाम के तुरंत बाद स्नान नहीं करना चाहिए। व्यायाम के अनेक लाभ हैं - इससे शरीर में शुद्ध रक्त का संचार होता है, भोजन ठीक से पचता है, शरीर पुष्ट बन जाता है, थकान का अनुभव कम होता है तथा मस्तिष्क भी स्वस्थ रहता है।

3) व्यायाम का महत्त्व पर अपने विचार लिखिए। **2**

विभाग 2 - पद्य **16 अंक**

प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) आकृति पूर्ण कीजिए। **1**

ii) आकृति पूर्ण कीजिए। **1**

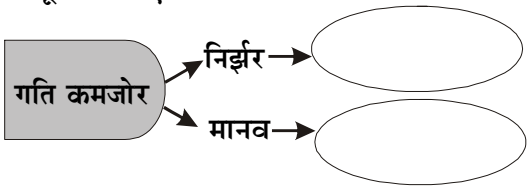

लहरें उठती हैं, गिरती हैं, नाविक तट पर पछताता है।
तब यौवन बढ़ता है आगे, निर्झर बढ़ता ही जाता है।
निर्झर में गति ही जीवन है, रुक जाएगी यह गति जिस दिन।
उस दिन मर जाएगा मानव, जग–दुर्दिन की घड़ियाँ गिन–गिन।

2) i) **समझकर लिखिए।** **1**

(1) नाविक अपनी नाव पानी में क्यों नहीं उतारता है ?

(2) 'जीवनरूपी लहरों का उठना-गिरना 'इससे आप समझते हैं कि

ii) **उत्तर लिखिए।** **½**

(1) तब मानव मर जाएगा।

(2) **सही शब्द चुनकर वाक्य फिर से लिखिए।** **½**

निर्झर का जीवन उसकी मति / गति है।

3) i) **मानक वर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द लिखिए।** **1**

(1) निरझर - (2) घड़िया -

ii) **पद्यांश से तुकान्त शब्दों की जोड़ियाँ बनाकर लिखिए।** **1**

(1) ---------- (2) ----------

4) **निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए।** **2**

''लहरें उठती हैं, गिरती हैं, नाविक तट पर पछताता है।
तब यौवन बढ़ता है आगे, निर्झर बढ़ता ही जाता है।''

प्र.2. (छ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

i)

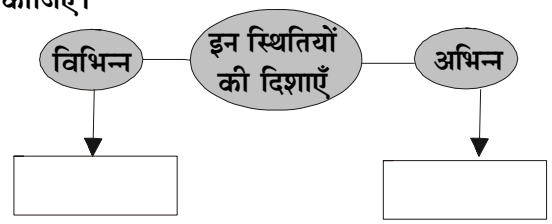

ii) **1**

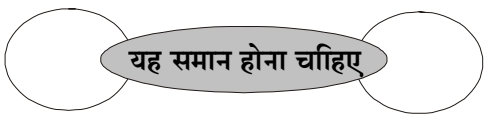

हम विभिन्न हो गए विनाश में,
हम अभिन्न हो रहे विकास में,
एक श्रेय, प्रेम अब समान हो !
शुद्ध स्वार्थ कामनींद से जगें,
लोककर्म में महान सब लगें,
रक्त में उफान हो, उठान हो !

2) i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

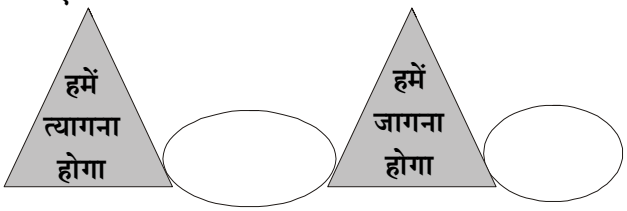

ii) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) हमें यह महान कर्म करना है -

(2) कवि के अनुसार रक्त में ये भाव हो -

3) i) **निम्नलिखित शब्द मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए।** **1**

(1) विभीन्न (2) स्रेय

ii) **विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।** **1**

(1) समान × (2) प्रेम ×

4) **निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए।** **2**

"हम विभिन्न हो गए विनाश में,
हम अभिन्न हो रहे विकास में,
एक श्रेय, प्रेम समान हो।"

विभाग 3 - पूरक पठन

04 अंक

प्र.3. पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

(1) नरेश का निवासस्थान

(2) 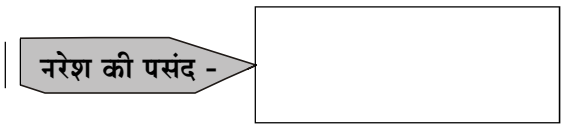

ii) छोटॅन की विशेषता लिखिए - **1**

(1) ..... (2) .....

इस नगर में राजधानी स्थापित करने वाले नरेश 'जिग्मे दोर जी वानचुक' की स्मृति में बनाया गया श्वेतवर्ण का 'छोटॅन' बड़ा आकर्षक है। यह बुद्ध धर्मियों का तीर्थ स्थान बन गया है।

थिंफू का राजमहल अंत:वर्ती क्षेत्र में पंद्रह–सोलह किलोमीटर दूर है। फिलहाल यह राजमाता का निवासस्थान है। नरेश दूर जंगल में बनाई हुई पर्णकुटी में रहते हैं, जो एक नदी के तट पर है। बताया गया कि नरेश राजमहल की शान– शोभा और वैभव से दूर रहना पसंद करते हैं। संयोग से ये युवा नरेश हमें बास्केट बॉल खेलते हुए दिखाई पड़े। बात यह हुई कि जब थिंफू के मैदान में नरेश के शरीररक्षकों और सैनिकों के बीच मैत्रीपूर्ण मैच खेला जा रहा था, तब हम वहाँ से गुजर रहे थे। दूसरे ही क्षण देखा कि सारे खिलाड़ी खेल रोककर यकायक अपने–अपने स्थान पर खड़े रहे। हम समझ नहीं पाए कि क्या हुआ। तब किसी ने धीमे स्वर में कहा–नरेश आए हैं। तत्काल ही वहाँ एक शानदार, काले रंग की 'प्यूजो' मोटरकार आ खड़ी हुई और उसमें से नरेश उतरे। उनकी पोशाक निहायत सादी थी। नरेश के खेलने लगते ही औरों के भी खेल पूर्ववत शुरू हुए। हम बड़ी जिज्ञासा से नरेश का खेल देखने । उनका खेल देखकर लगा कि वे बास्केट बॉल के मँजे हुए खिलाड़ी हैं, क्योंकि काफी दूर से भी वे अचूकता से बॉल फेंककर गोल कर देते थे। दूसरे दल के खिलाड़ियों को चकमा देने में भी वे बड़े निपुण थे। नरेश के खेल ने मैच में नई जान भर दी थी। लगभग एक घंटे के खेल के बाद नरेश लौट गए।

2) 'खेल: मानवी जीवन का एक प्रमुख अंग' इस विषय पर अपने विचार लिखिए। **2**

विभाग 4 - व्याकरण

10 अंक

प्र.4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

1) i) **निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **½**

संस्मरण

ii) **अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए ।** **½**

इस भवन में चालीस कमरे हैं ।

2) निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए । **1**

क्रोध से उसकी नेत्र लाल हो गई ।

3) i) **निम्नलिखित सहायक क्रिया का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** ½
देना -

ii) **सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए ।** ½
कबरी बिल्ली घी - दूध पर अब जुट गई ।

4) **प्रेरणार्थक क्रिया के रूप लिखिए ।** 1

क्रिया	**प्रथम प्रेरणार्थक**	**द्‌वितीय प्रेरणार्थक**
भूलना		

5) i) **अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** 1
अच्छा

ii) **अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए ।** 1
रामू की बहू ने रामू के लिए खीर बनाई ।

6) **कालपरिवर्तन कीजिए ।** 2
i) वह हिमालय को खोज रहा है । (सामान्य वर्तमानकाल)
ii) वह हिमालय को खोजेगा । (अपूर्ण भूतकाल)

7) i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए ।** 1
हृदय में घुल जाना

ii) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए ।** 1
(कान खड़े रहना, जान में जान आना, अपने पैरों पर खड़ा होना)
गरीब रामू पढ़-लिखकर आत्मनिर्भर हो गया ।

विभाग 5 - रचना

30 अंक

प्र.5. सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है । **(15)**

1) **निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए ।** **5**
जवाहर विद्‌यालय, गोरेगाँव को लिपिक की आवश्यकता है । अत: मुंबई से सागर / सीता शर्मा विद्‌यालय के प्रधानाचार्य के नाम संबंधित पद के लिए आवेदन पत्र लिखता/लिखती है ।

प्रगति बुक सेंटर, पुणे हिंदी की कुछ पुस्तकें तथा संदर्भ ग्रंथ 50 % मूल्य में उपलब्ध
1) प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानियाँ
2) नीरज की पाती
3) हिंदी - अंग्रेजी शब्दकोश
4) हिंदी व्याकरण रचना ..... आदि

उपर्युक्त विज्ञापन पढ़कर सिंधुदुर्ग से रवि/रविना सावंत विविध पुस्तकों की माँग करते हुए पत्र लिखता/लिखती है ।

2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर शीर्षक दीजिए । 5

घना जंगल: राजहंस और कौआ - कौए का राजहंस के रंगरूप पर जलना - शिकार का जंगल में आकर पेड़ के नीचे सो जाना - शिकारी को छाँव मिले अत: राजहंस द्वारा पंख फैलाना - कौए द्वारा शिकारी के चेहरे पर बीट करना - राजहंस को दोषी समझकर उसकी हत्या कर देना ।

3) निम्नलिखित गद्यखंड को ध्यानपूर्वक पढ़कर पाँच प्रश्न तैयार कीजिए, जिनका उत्तर एक वाक्य में लिखा जा सके । 5

वार्तालाप की शिष्टता मनुष्य को आदर का भाजन बनाती है और समाज में उसकी सफलता के लिए रास्ता साफ कर देती है । शिष्टता का समाज पर प्रभाव पड़ता है, किंतु विषभरे कनकघटों की संसार में कमी नहीं है । यह प्रभाव ऊपरी होता है और पोशाक का मान जब तक भाषण से पुष्ट नहीं होता है, तब तक स्थायी नहीं होता । मधुर भाषी के लिए करनी और कथनी का साम्य आवश्यक है किंतु कर्म के लिए वचन पहली सीढ़ी है। मधुर वचन ही विश्वास उत्पन्न कर भय और आतंक का परिमार्जन कर देते हैं । कटु भाषी लोगों से लोग हृदय खोलकर बात करने से डरते हैं । सामाजिक व्यवहार के लिए विचारों का आदान - प्रदान आवश्यक है और वह भाषा की शिष्टता और स्पष्टता के बिना प्राप्त नहीं होता । भाषा की सार्थकता इसी में है कि वह दूसरों पर यथेष्ट प्रभाव डाल सके । जब बुरे वचन आदमी को रुष्ट कर सकते हैं तो मधुर वचन दूसरे को प्रसन्न भी कर सकते हैं । शब्दों का जादू बड़ा जबर्दस्त होता है ।

प्र.6. विज्ञापन लेखन । (लगभग 60 से 80 शब्दों में) 5

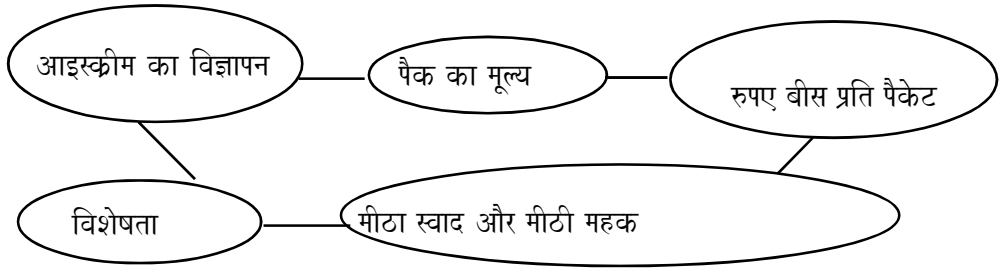

2) स्वमत लेखन । (लगभग 60 से 80 शब्दों में) **5**

बेटी बचाओ से संबंधित एक घोष वाक्य मैंने रेल्वे स्थानक पर पढ़ा । उसे पढ़कर मेरे मन में विचार आए.....

3) निबंध लेखन । (लगभग 80 से 100 शब्दों में) किसी एक विषयपर निबंध लिखिए । **5**

i) परीक्षा शुरू होने से पहले एक घंटा

ii) मेरा प्रिय शिक्षक

Best Of Luck